भजन

तर्ज–जिंदगी प्यार का गीत है

पन्ना रूहों का निजधाम है,यहां रूहों को आना पड़ेगा
यहां आकर के सब रूहों को,देखो सजदा बजाना पड़ेगा

1– माया बलवान है भी तो क्या,रोड़े अटकाये तो भी है क्या
माया फुसलाये तो भी है क्या,यहां रूहों को आना पड़ेगा

2– बिछुड़ी रुहों का मेला भी है,मिल के प्रेम उमड़ता भी है
यहां मेहरों के सागर भी हैं,यहां रूहों को आना पड़ेगा

3– सारी शोभा परमधाम की,उतर आई है देखो यहीं
तलब जिसको है दीदार की,पिया दिल में बसाना पड़ेगा